VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व

www.visionias.in 8468022022, 9019066066

enquiry@visionias.in /c/VisionIASdelhi /visionias.upsc /vision _ias VisionIAS_UPSC

AHMEDABAD BENGALURU BHOPAL CHANDIGARH DELHI GUWAHATI HYDERABAD JAIPUR JODHPUR LUCKNOW PRAYAGRAJ PUNE RANCHI

अभ्यर्थियों के लिए संदेश

प्रिय अभ्यर्थी,

PT 365: सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व डाक्यूमेंट को प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह डाक्यूमेंट UPSC प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि प्रमुख व्यक्तित्वों से जुड़े प्रश्न परीक्षा के परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कौटिल्य, महात्मा गांधी, रामानुज आदि जैसे व्यक्तित्वों पर आधारित प्रश्न अक्सर परीक्षा में पूछे जाते रहे हैं। यह डाक्यूमेंट इन प्रश्नों का आत्मविश्वासपूर्वक उत्तर देने के लिए आपको आवश्यक ज्ञान और समझ से सशक्त बनाने का हमारा प्रयास है।

इस डाक्यूमेंट में क्या विशेष है?

इसका नया और अनूठा डिज़ाइन आपकी पढ़ाई को सरल और प्रभावी बनाएगा! इसमें **कालानुक्रमिक मानचित्र** शामिल हैं जो चीजों को आसानी से याद रखने में मदद करेंगे। साथ ही, त्वरित संदर्भ के लिए जानकारी को **टेबल के रूप** में प्रस्तुत किया गया है, जिससे तथ्य आसानी से ढूंढे जा सकते हैं। इसमें ऐतिहासिक और समकालीन समय के प्रमुख व्यक्तियों के बारे में व्यापक और सटीक जानकारी शामिल है। यह डाक्यूमेंट आपकी पढ़ाई को न केवल प्रभावी बनाएगा बल्कि इसे रोचक और आनंददायक भी बनाएगा।

हम आपको इस डाक्यूमेंट को अपनी परीक्षा रणनीति में शामिल करने के लिए प्रेरित करते हैं। इसका उपयोग केवल तथ्यों को याद करने तक सीमित न रखें, बल्कि इन व्यक्तित्वों को गवर्नेंस, समाज और संस्कृति जैसे व्यापक विषयों के संदर्भ में समझने और जोड़ने का माध्यम बनाएं।

अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हुए, याद रखें कि आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति और सही संसाधन ही सफलता का मूलमंत्र हैं। **PT 365: सुर्ख़ियों में रहे व्यक्तित्व,** आपके सपनों को साकार करने का एक बेहतर साधन है। इस डाक्यूमेंट को अपने सहयोगी के रूप में देखिए जो आपको सफलता की ओर अग्रसर करेगा।

हार्दिक शुभकामनाएं!

विषय सूची

A. प्राचीन भारत.....1

1. सुश्रुत.....1
2. तिरुवल्लुवर.....1

B. मध्यकालीन भारत.....2

1. संत ज्ञानेश्वर.....2
2. श्रीमंत शंकरदेव.....2
3. रानी दुर्गावती.....3
4. संत तुकाराम.....3
5. लचित बोरफुकन.....3

C. आधुनिक भारत.....4

1. सक्कन थंपुरन.....4
2. रानी चेन्नम्मा.....5
3. फकीर लालन शाह.....5
4. राघोजी भांगरे.....5
5. ठाकुर रणमत सिंह.....6
6. कंदुकूरी वीरेशलिंगम.....6
7. कादम्बिनी गांगुली 6
8. श्री नारायण गुरु.....6
9. बिपिन चंद्र पाल.....7
10. श्यामजी कृष्ण वर्मा 7
11. मैडम भीकाजी कामा.....7
12. श्री अरबिंदो.....8
13. तारकनाथ दास.....8
14. वल्लिनयगम ओलगनाथन चिदंबरम पिल्लई.....8
15. करतार सिंह सराभा.....9
16. रासबिहारी बोस.....9
17. पिंगली वेंकैया 9
18. रामप्रसाद बिस्मिल.....10
19. चंद्रशेखर आजाद.....10
20. शहीद भगत सिंह.....10
21. अशफाक उल्ला खान.....11
22. शहीद उधम सिंह.....11
23. शिवराम हरि राजगुरु.....11
24. शरत चंद्र बोस.....12
25. नरसिम्हा गोपालस्वामी आयंगर.....12
26. लक्ष्मण नायक.....12
27. तिलेश्वरी कोच.....13
28. आसफ अली.....13
29. अरुण चंद्र गुहा.....13
30. प्रशांत चंद्र (पी.सी.) महालनोबिस.....14
31. गोविंद बल्लभ पंत.....14
32. लाला हंसराज.....14
33. सुकुमार सेन.....15
34. श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'.....15
35. सुचेता कृपलानी.....15
36. कमलादेवी चट्टोपाध्याय.....16

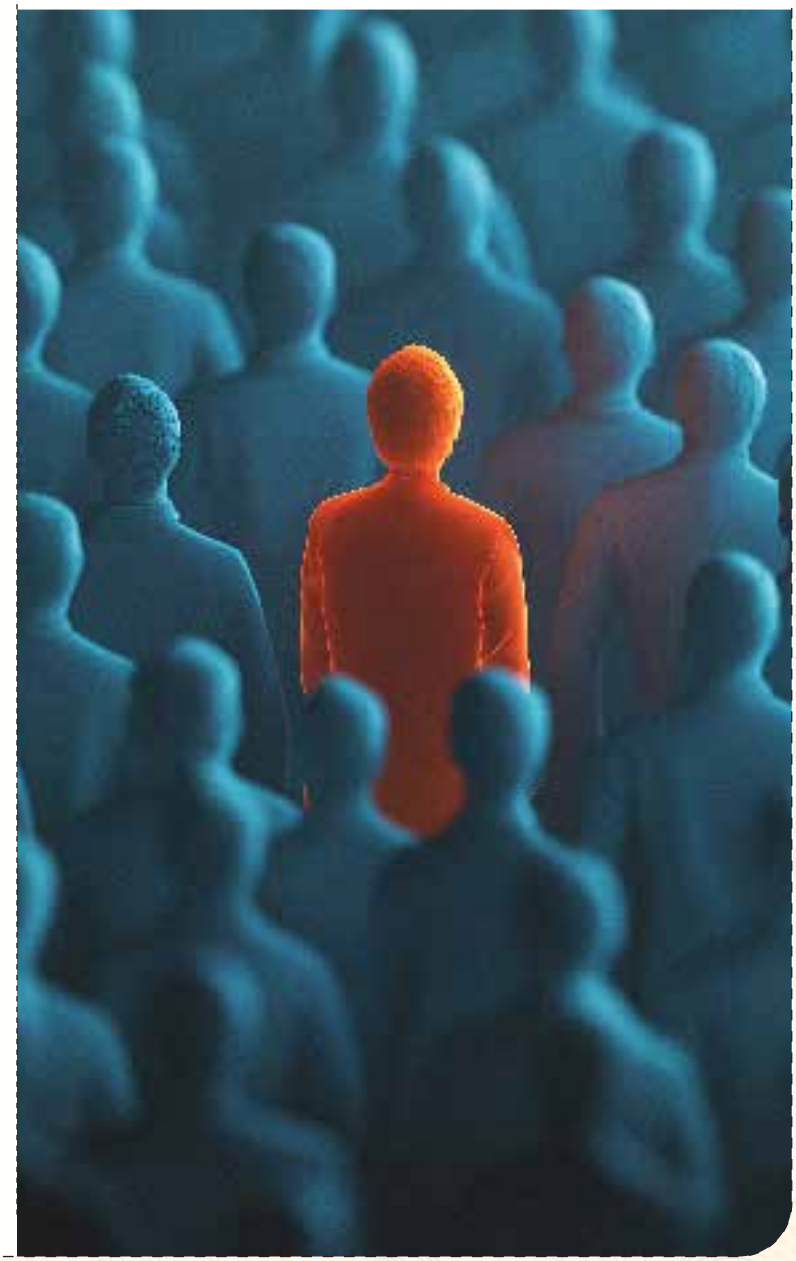

A. प्राचीन भारत

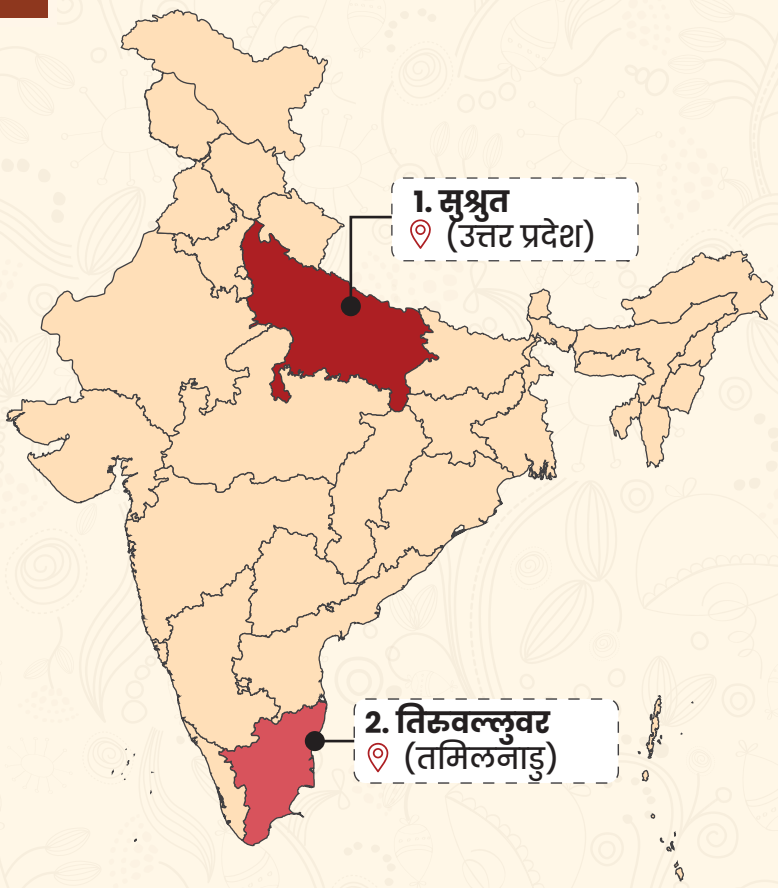

1. सुश्रुत

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) ने **सुश्रुत जयंती-2024 के शुभ अवसर पर द्वितीय 'सौश्रुतम् शल्य संगोष्ठी'** का सफलतापूर्वक आयोजन किया। **सुश्रुत जयंती प्रतिवर्ष 15 जुलाई** को मनाई जाती है।

महर्षि सुश्रुत (7वीं या 6वीं शताब्दी ईसा पूर्व)

- ये **काशी (वाराणसी)** के रहने वाले प्राचीन युग के चिकित्सक थे। उन्हें **भारतीय चिकित्सा और शल्य-चिकित्सा के जनक** के रूप में भी जाना जाता है।

महत्वपूर्ण योगदान:

- इन्होंने **सुश्रुत संहिता** की रचना की थी। यह ग्रंथ **संस्कृत** में लिखित है। यह कृति **आयुर्वेदिक चिकित्सा की महान त्रयी (Great Trilogy)** में से एक है। अन्य दो हैं: **महर्षि चरक** द्वारा रचित **चरक संहिता** और **वाग्भट्ट** द्वारा रचित **अष्टांग हृदय।**
  - इस संहिता में **रोग विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान** और **शल्य चिकित्सा** के बारे में व्यापक वर्णन किया गया है। साथ ही, इसमें **12 प्रकार के फ्रैक्चर, 6 प्रकार की डिस्लोकेशन, स्किन ग्राफ्टिंग, राइनोप्लास्टी** आदि के उपचार के बारे में भी बताया गया है।
    - राइनोप्लास्टी, **नाक की सर्जरी** को कहते हैं।

2. तिरुवल्लुवर

हाल ही में, **संयुक्त राज्य अमेरिका के ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में तमिल के अध्ययन के लिए तिरुवल्लुवर चेयर की स्थापना** की गई है।

तिरुवल्लुवर (तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी) के बारे में

- वे **वल्लुवर** के नाम से भी लोकप्रिय थे। वे एक महान **तमिल कवि और दार्शनिक** थे।
- **जन्मस्थान: मदुरै** (तत्कालीन पांड्यों की राजधानी)।
- **प्रमुख कृति: तिरुक्कुरल** (पवित्र छंद)। यह **नैतिकता, राजनीति, अर्थव्यवस्था और प्रेम** पर उनके दोहों का एक संग्रह है।
  - इसमें **1330 दोहे** हैं, जो **133 अध्यायों** में विभाजित हैं।
  - तिरुक्कुरल के अध्यायों को **आराम** (धार्मिकता), **पोरुल** (धन) और **काममं** (प्रेम) में वर्गीकृत किया गया है।
- **मान्यता:** तमिलनाडु राज्य में **15 या 16 जनवरी को तिरुवल्लुवर दिवस** मनाया जाता है।

B. मध्यकालीन भारत

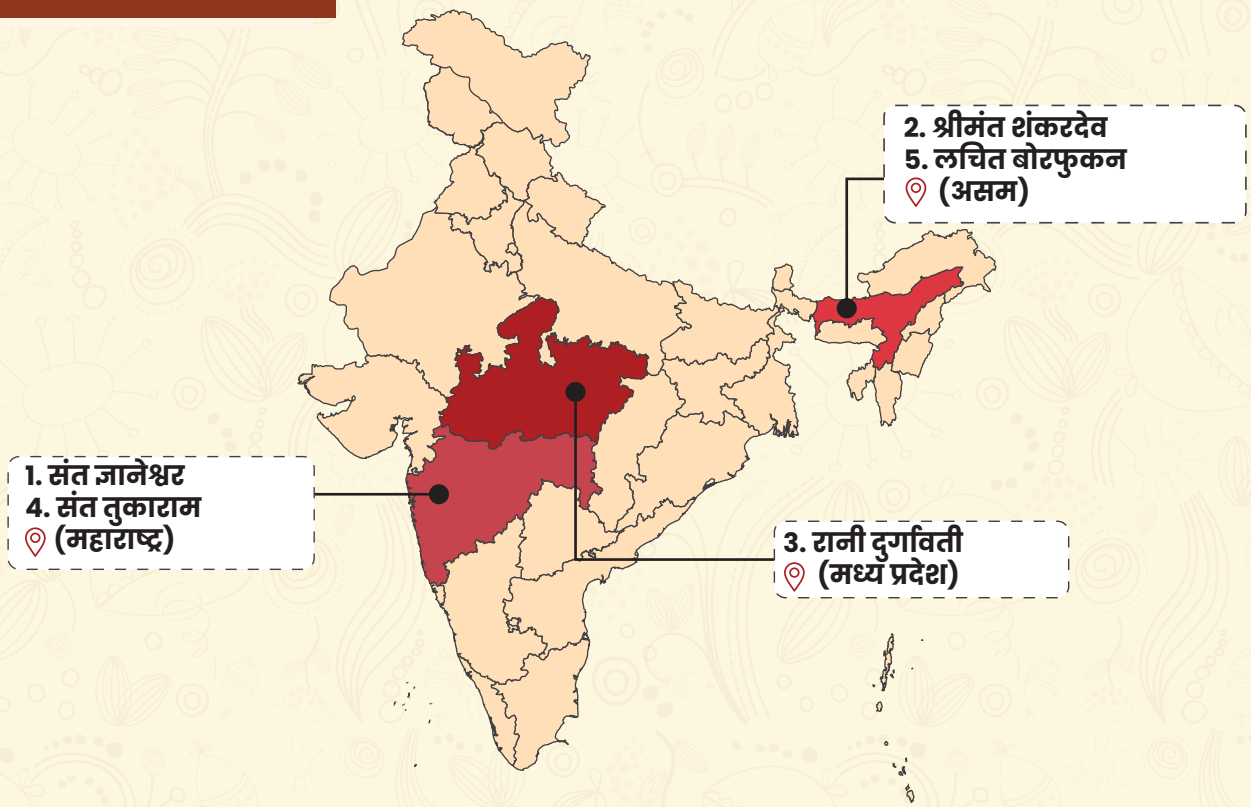

1. संत ज्ञानेश्वर

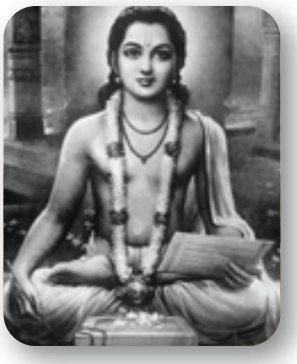

संत ज्ञानेश्वर महाराज की वार्षिक तीर्थयात्रा का समापन **आषाढ़ी एकादशी के शुभ दिन** हुआ।

- हर साल **वारकरी संप्रदाय** के अनुयायी **देहु और आलंदी** से पालकी यात्रा (इसे वारी कहते हैं) शुरू करते हैं तथा आषाढ़ी एकादशी पर यह यात्रा **पंढरपुर** में समाप्त होती है।

संत ज्ञानेश्वर के बारे में

- उनका जन्म **आलंदी (महाराष्ट्र)** में हुआ था। वे 13वीं सदी के **मराठी संत, कवि व दार्शनिक** थे।
- वे भक्ति आंदोलन, खासकर **महाराष्ट्र** के सबसे प्रतिष्ठित संतों में से एक थे।

योगदान:

- उन्होंने **भगवद गीता पर मराठी भाषा में ज्ञानेश्वरी** नामक टीका लिखी थी और **अमृतानुभव** की भी रचना की थी।
- साथ ही, **अभंग नामक अनेक** भक्ति काव्यों की रचना की थी।

2. श्रीमंत शंकरदेव

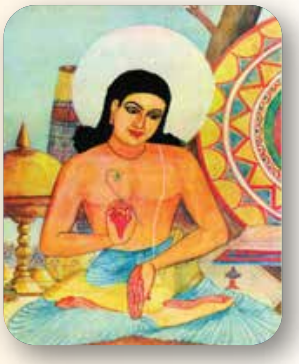

असम सरकार ने श्रीमंत शंकरदेव पीठ की स्थापना के लिए **विश्व भारती विश्वविद्यालय** के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

श्रीमंत शंकरदेव के बारे में

- उनका जन्म **असम के नगांव जिले में स्थित आली-पुखुरी** में हुआ था।
- वे एक **संत-विद्वान, बहुश्रुत/ बहुज्ञ (polymath) और सामाजिक-धार्मिक सुधारक** थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **वैष्णववाद** के एक रूप **"एक-शरण-हरि-नाम-धर्म"** का प्रचार किया था। इसमें **भगवान कृष्ण** को परम, शाश्वत और एक माना जाता है।
  - उनकी धार्मिक व्यवस्था **पूरी तरह से एकेश्वरवादी** थी।
- उन्होंने **सत्र नामक विशिष्ट वैष्णव** मठों की भी स्थापना की थी।
- **वे निम्नलिखित के सृजन के लिए भी जाने जाते हैं:**
  - संगीत की नवीन शैली **(बोरगीत);**
  - नाट्य प्रदर्शन **(अंकिया नाट व भाओना);**
  - शास्त्रीय नृत्य **(सत्रिया);**
  - साहित्यिक भाषा **(ब्रजावली);** तथा
- साहित्यिक कृतियां: भक्ति प्रदीप, **भक्ति रत्नाकर, कीर्तन घोष** आदि।

3. रानी दुर्गावती

गढ़ा-कटंगा के गोंड साम्राज्य की रानी दुर्गावती को उनकी 500वीं जयंती (05 अक्टूबर) पर याद किया गया।

रानी दुर्गावती (1524 - 1564)के बारे में

- उनका जन्म **बांदा जिले (उत्तर प्रदेश) के कालिंजर** में हुआ था।
- वे **महोबा के चंदेल राजवंश की वंशज और मुगल सम्राट अकबर** की समकालीन थीं।

प्रमुख योगदान:

- अपने पति की मृत्यु के बाद **गोंड साम्राज्य की सत्ता** संभाली।
- **फ़ारसी भाषा में रचित तारीख-ए-फ़रिश्ता** के अनुसार रानी दुर्गावती ने **मालवा के शासक बाज बहादुर का सामना** किया था।
- रानी विद्या की संरक्षक थी और **आचार्य विट्ठलनाथ को गढ़ में पुष्टिमार्ग पंथ की पीठ** स्थापित करने की अनुमति दी थी।
- रानी ने **रानीताल, चेरीताल और अधरताल** जैसे जलाशयों का निर्माण कराया था।
- समकालीन **मुगल सूबेदार अब्दुल माजिद खान** के खिलाफ अपनी मृत्यु तक संघर्ष किया और अपने राज्य की रक्षा की।
  - मुगलों के साथ रानी के संघर्ष का उल्लेख अकबर के इतिहासकार **अबुल फजल,** और अन्य फारसी लेखकों ने किया है।

4. संत तुकाराम

महाराष्ट्र सरकार ने **पुणे हवाई अड्डे का नाम बदलकर जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज पुणे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

संत तुकाराम के बारे में

- वे **17वीं शताब्दी के प्रसिद्ध संत कवि और महाराष्ट्र के भक्ति आंदोलन** के प्रमुख संत थे। वे शिवाजी महाराज के समकालीन थे।
  - उनका संबंध **'वारकरी' संप्रदाय (संत ज्ञानेश्वर, एकनाथ और नामदेव के साथ)** से था। यह संप्रदाय मध्यकाल में महाराष्ट्र में फला-फूला था।

प्रमुख योगदान:

- तुकाराम ने **अभंग भक्ति कविताओं** की रचना की थी। उन्होंने **कीर्तन** नामक आध्यात्मिक गीतों के माध्यम से समुदाय-उन्मुख पूजा का प्रचलन किया था।
  - अभंग **भगवान पांडुरंग या विट्ठल** के स्तुति गीत हैं। भगवान पांडुरंग या विट्ठल **वारकरी पंथ** के मुख्य देवता और विष्णु के अवतार हैं।
- **प्रसिद्ध कृतियां:** मराठी भाषा में तुकाराम गाथा **(1632-1650) बहुत महत्वपूर्ण है।** इस कृति में लगभग **450 अभंग** शामिल हैं।
  - उनकी कृतियों ने भक्ति आंदोलन में योगदान दिया था। उन्होंने **समानता, ईश्वर के प्रति समर्पण और सामाजिक सुधार** पर बल दिया था।

5. लचित बोरफुकन

प्रधान मंत्री ने **असम के अहोम साम्राज्य की शाही सेना के प्रसिद्ध सेनापति लचित बोरफुकन की 125 फुट ऊंची मूर्ति का अनावरण** किया।

लचित बोरफुकन (1622-1672) के बारे में

- उनके पिता अहोम साम्राज्य के **प्रथम बोरबरुआ** (सैन्य और न्यायिक प्रमुख) थे।
- उन्होंने अहोम सेना के **बरफुकन** (सेनापति) के रूप में, मुगल बादशाह **जहांगीर और शाहजहां की सेनाओं के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी थी।**
- वे **पाइक प्रथा के संस्थापक** भी थे। पाइक प्रथा अहोम साम्राज्य में **जबरन श्रम यानी बेगार** की एक प्रथा थी।
- **कबीला:** अहोम समुदाय में कई कबीले/ कुल थे। **लचित बोरफुकन** लुखुराखुन कबीले से थे।
- **सेनापति के रूप में भूमिका:** राजा स्वर्गदेव चक्रध्वज सिंह ने **लचित बोरफुकन** को सेनापति नियुक्त किया था।
  - सेनापति के रूप में लचित बोरफुकन ने **सराईघाट के युद्ध** में अहोम सेना का नेतृत्व किया था और इस युद्ध में **विजय प्राप्त** की थी।

C. आधुनिक भारत

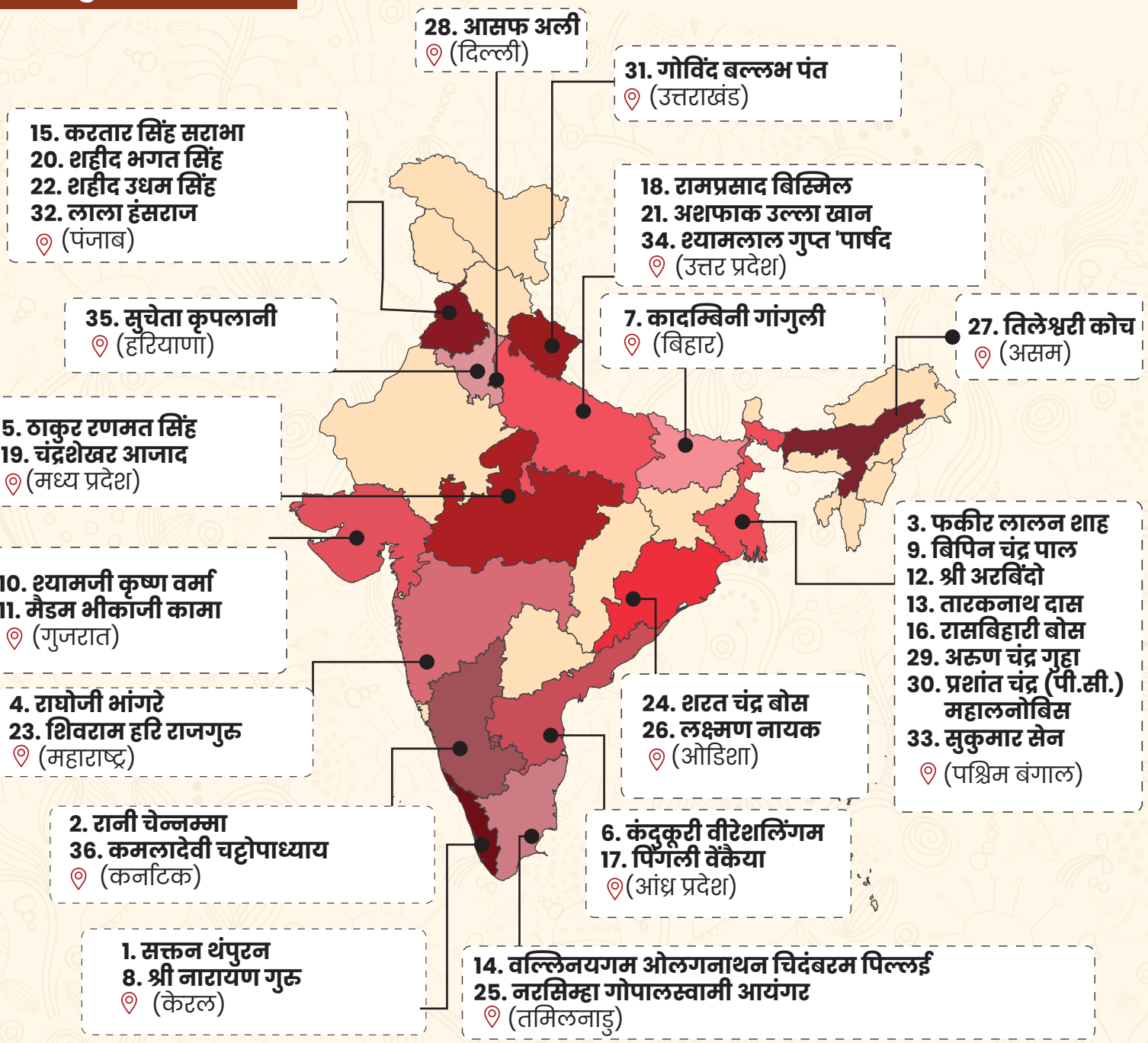

1. सक्कन थंपुरन

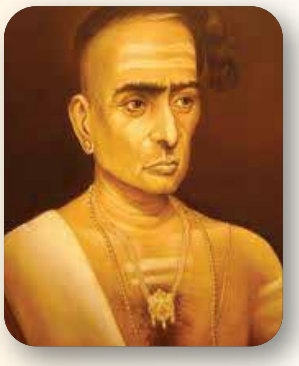

हाल ही में, **केरल में कोचीन राजवंश के महानतम शासक 'सक्कन थंपुरन'** की प्रतिमा गिर गई।

सक्कन थंपुरन (1751-1805) के बारे में

- **राजा राम वर्मा कुंजपिल्लई** (या राम वर्मा IX) को सक्कन थंपुरन के नाम से जाना जाता है।
- उन्होंने **1790 से 1805 तक कोचीन रियासत पर शासन** किया था।
- **सक्कन थंपुरन ने कोचीन की राजधानी त्रिपुनीथुरा से आधुनिक त्रिशूर स्थानांतरित** की थी।
- उन्होंने **केरल** के सबसे बड़े मंदिर उत्सवों में से एक, **त्रिशूर पूरम** की शुरुआत की थी। यह उत्सव **भगवान शिव को समर्पित है।**
- उन्होंने **योगियातिरिप्पद संस्था को समाप्त** कर दिया था और **मंदिर का प्रबंधन सरकार (तत्कालीन ब्रिटिश शासन) को सौंप** दिया था।

2. रानी चेन्नम्मा

1824 में रानी चेन्नम्मा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इस जीत की 200वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया है।

- इनका **जन्म कर्नाटक के बेलगावी जिले के ककाती गांव** में हुआ था।

रानी चेन्नम्मा (1778-1829) के बारे में

- उनका विवाह **देसाई वंश के राजा मल्लसर्ज** से हुआ था। इस प्रकार वे **कित्तूर (अब कर्नाटक)** की रानी बन गई थीं।
- अपने पति और इकलौते पुत्र की मृत्यु के बाद उन्होंने एक अन्य बच्चे **शिवलिंगप्पा** को गोद ले लिया था तथा उसे अपना उत्तराधिकारी यानी कित्तूर का राजा घोषित किया था।
  - हालांकि, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने **'डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स'** के तहत उसे उत्तराधिकारी स्वीकार नहीं किया। इसके कारण रानी चेन्नमा ने विद्रोह कर दिया था।

कित्तूर विद्रोह (1824) के बारे में

- इसे **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ "पहला भारतीय सशस्त्र विद्रोह"** माना जाता है। साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में सबसे शुरुआती **उपनिवेश-विरोधी** संघर्षों में से भी एक है।
- **1824** में हुई पहली लड़ाई में ब्रिटिश हार गए थे, लेकिन बाद में रानी चेन्नम्मा को पकड़ लिया गया। **1829 में बैलहोंगल किले में कैद में ही उनकी मृत्यु** हो गई।

3. फकीर लालन शाह

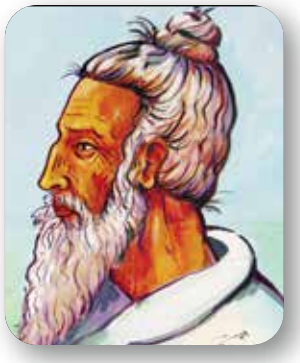

फकीर लालन शाह की **250वीं जयंती के अवसर पर ढाका में एक इंडो-बांग्ला बाउल संगीत समारोह** आयोजित किया गया।

फकीर लालन शाह (1774-1890) के बारे में

- उनका जन्म **आधुनिक बांग्लादेश के झेनाइदाह जिले के होरीशपुर गांव** में हुआ था।
- वे **रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानन्द के समकालीन** थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **'लालन अखाड़ा' नामक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र** की स्थापना की थी। इसके सभी धर्मों के लगभग 10,000 अनुयायी थे।
- उन्हें **बाउल संगीत का जनक** माना जाता है।
  - 2008 में, बाउल गीतों को **यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** में सूचीबद्ध किया गया था।
- उन्होंने **रवीन्द्रनाथ टैगोर और नजरुल इस्लाम** जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों को प्रभावित किया था।

4. राघोजी भांगरे

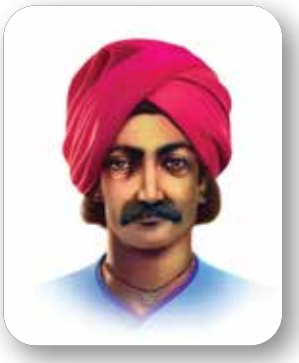

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने राघोजी भांगरे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

राघोजी भांगरे (1805-1848) के बारे में

- वे **आदिवासी क्रांतिकारी सेनानी** थे। उनका जन्म **महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के देवगांव में कोली समुदाय** में हुआ था।
- उनके पिता **रामजी राव भांगरे** ने साहूकारों और ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था। इसे **कोली विद्रोह (1822-29)** के नाम से जाना जाता है।
  - रामजी राव भांगरे को बाद में **सेलुलर जेल में फांसी** दे दी गई थी।

मुख्य योगदान:

- राघोजी भांगरे ने शोषक साहूकारों और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ कोली समुदाय का नेतृत्व किया था।
- उन्हें **1847 में लेफ्टिनेंट गेल ने पंढरपुर** में पकड़ लिया था। बाद में उन्हें फांसी दे दी गई थी।

5. ठाकुर रणमत सिंह

हाल ही में, **जनजातीय कार्य मंत्रालय** ने स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर रणमत सिंह के योगदान को रेखांकित किया।

रणमत सिंह के बारे में

- उन्होंने रीवा (मध्य प्रदेश) के महाराजा की सेवा में सरदार का पद ग्रहण किया था।
- **प्रमुख योगदान**
  - उन्होंने **मध्य प्रदेश के सतना में 1857 के विद्रोह** को भड़काने में अहम भूमिका निभाई थी।
  - जंगल से ही उन्होंने संपूर्ण सैन्य संगठन का कार्य किया था।
  - उन्होंने **नागौद** की ब्रिटिश रेजिडेंसी पर हमला कर दिया था और वहां के रेजिडेंट को मार दिया था।
  - **भेलसांय** के मैदान में **अंग्रेजों और केसरी सिंह बुंदेला** की संयुक्त सेना के साथ उनका युद्ध हुआ था, जिसका उन्होंने डटकर मुकाबला किया था।

6. कंदुकूरि वीरेशलिंगम

वीरेशलिंगम की जयंती पर उन्हें याद किया गया।

कंदुकूरि वीरेशलिंगम (1848 से 1919) के बारे में

- इनका जन्म **आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी** में हुआ था। ये एक समाज सुधारक और राष्ट्रवादी थे। इन्हें तेलुगु पुनर्जागरण आंदोलन का जनक माना जाता है।
- **प्रमुख योगदान:**
  - इन्होंने **हरिजनों के पुनरुत्थान के लिए कार्य किया था; विधवा पुनर्विवाह का समर्थन** किया था तथा **दौलेश्वरम में कन्या विद्यालय** की स्थापना की थी।
  - इन्होंने **आंध्र प्रदेश** में **'ब्रह्मो मंदिर'** नाम से एक मंदिर और **'हितकारिणी विद्यालय'** की स्थापना की थी।
  - इनके उपन्यास **'राजशेखर चरित्रामु' को तेलुगु साहित्य का प्रथम उपन्यास** माना जाता है।
  - इन्होंने **'विवेक वर्धिनी'** नामक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया था।

7. कादंबिनी गांगुली

18 जुलाई को देशभर में **डॉ. कादंबिनी गांगुली की जयंती** मनाई गई।

डॉ. कादंबिनी गांगुली (1861-1923) के बारे में

- उनका जन्म **1861 में बिहार के भागलपुर** में हुआ था।
- वे भारत में शिक्षित पहली **महिला डॉक्टर** थीं।

प्रमुख योगदान:

- वे **ब्रह्म समाज की सदस्या** थीं।
- वे **1889** में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के **पहले महिला प्रतिनिधिमंडल में शामिल छह प्रतिनिधियों** में से एक थीं।
- उन्होंने **कलकत्ता में महिला सम्मेलन (1906)** आयोजित करने में मदद की थी।
- उन्होंने **कामिनी रॉय के साथ मिलकर बिहार और ओडिशा में महिला खनिकों की स्थितियों के बारे में जांच करने हेतु एक सरकारी समिति** के लिए काम किया था।
- उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप **1891 में भारत का पहला एज ऑफ कंसेंट अधिनियम** पारित हुआ था।

8. श्री नारायण गुरु

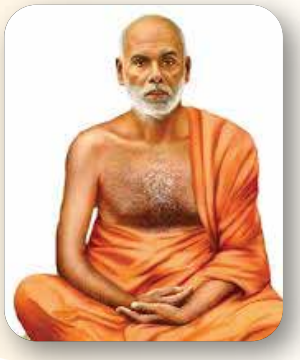

केरल के महान समाज सुधारक **श्री नारायण गुरु को उनकी 170वीं जयंती पर देशभर में याद** किया गया।

श्री नारायण गुरु (1845-1928) के बारे में

- उनका जन्म **केरल में एझवा समुदाय** में हुआ था। इस समुदाय को उस समय **निम्न जाति** माना जाता था।

दार्शनिक और सांस्कृतिक योगदान:

- उन्होंने अद्वैतवादी दर्शन, **अद्वैत वेदांत** को अपनाया था।
- **1888** में उन्होंने **अरविपुरम में भगवान शिव** की प्रतिमा स्थापित की थी। इसके माध्यम से उन्होंने जाति व्यवस्था को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि **भगवान की भक्ति करना** किसी एक जाति का एकाधिकार नहीं है।
  - **"सभी मनुष्यों के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर"** के सिद्धांत पर बल देते हुए उन्होंने **सामाजिक समानता** का समर्थन किया था। यह जाति व्यवस्था में उनके अविश्वास को दर्शाता है।

कविता और साहित्य: नारायण गुरु ने मलयालम और संस्कृत भाषा में विविध रचनाएं की थीं। इनमें दैव दशकम, आत्मोपदेश शतकम् आदि प्रमुख हैं। इनके माध्यम से आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और नैतिकता का अन्वेषण किया गया है।

समाज सुधार कार्य:

- उन्होंने उन सामाजिक मानदंडों को चुनौती देते हुए वंचितों को शिक्षित करने के लिए **स्कूलों की स्थापना** की, जो शिक्षा को उच्च जातियों तक सीमित रखते थे।
- उन्होंने ऐसे **मंदिर बनवाए जहां सभी जातियों के लिए प्रवेश खुला** था। यह कदम सामाजिक समानता के उनके दृष्टिकोण का प्रतीक था।
- उन्होंने **1924 में सर्वधर्म सम्मेलन** का आयोजन किया था।

9. बिपिन चंद्र पाल

पूरे में देश में बिपिन चंद्र पाल को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया गया। वे प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रवादी नेता थे।

बिपिन चंद्र पाल (1858-1932) के बारे में

- इनका जन्म **सिलहट (अब बांग्लादेश)** में हुआ था।
- वे **तीन महान उग्रपंथी राष्ट्रवादी स्वतंत्रता सेनानियों की तिकड़ी** में से एक थे। इस तकड़ी को **"लाल बाल पाल"** के नाम से जाना जाता है। इस तिकड़ी में शामिल अन्य दो स्वतंत्रता सेनानी थे- **लाला लाजपत राय और बाल गंगाधर तिलक।**

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **स्वदेशी और स्वराज (पूर्ण स्वतंत्रता) की अवधारणाओं** को लोकप्रिय बनाया था।
- उन्होंने बाल गंगाधर तिलक के हिंदू राष्ट्रवाद की जगह **'समग्र देशभक्ति'** का प्रचार किया था।
- बिपिन जी को **बन्दे मातरम् राजद्रोह मामले में 6 माह की जेल की सजा** हुई थी।
- उन्होंने **बंगाल वैष्णववाद दर्शन** पर पुस्तकें लिखी थीं।
- **महत्वपूर्ण पुस्तकें:** बंदे मातरम (दैनिक), न्यू इंडिया (साप्ताहिक जर्नल), हिंदू रिव्यू (मासिक) आदि।

10. श्यामजी कृष्ण वर्मा

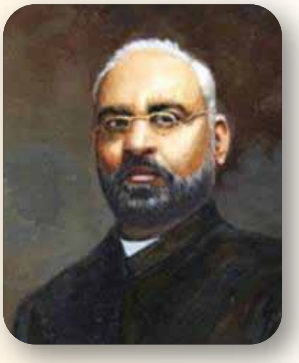

प्रधान मंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी जयंती पर याद किया।

श्यामजी कृष्ण वर्मा (4 अक्टूबर, 1857 - 30 मार्च 1930) के बारे में

- उनका जन्म **1857 में आधुनिक गुजरात** में हुआ था।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने ब्रिटिश विरोधी गतिविधियों के प्रसार के लिए **लंदन में इंडियन होमरूल सोसाइटी और इंडिया हाउस** की स्थापना की थी।
  - श्याम जी से प्रेरित होकर **वीर सावरकर भी लंदन में इंडिया हाउस के सदस्य** बने थे।
- उन्होंने **'द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट'** नामक पत्रिका में अपने लेखों के माध्यम से भारत की आजादी का प्रचार किया था। यह मासिक पत्रिका अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित होती थी।
- श्याम जी **बम्बई आर्य समाज के प्रथम अध्यक्ष** बने थे तथा दयानंद सरस्वती के प्रशंसक थे।
- **1905 में इनर टेम्पल नामक एक संस्था ने उन्हें वकालत करने से प्रतिबंधित** कर दिया था। दरअसल औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लिखने के कारण ब्रिटिश सरकार ने उन पर राजद्रोह का आरोप लगा दिया था। इस वजह से इनर टेम्पल ने उन्हें प्रतिबंधित कर दिया था।
- आलोचना का सामना करते हुए, श्याम जी ने अपना केंद्र **इंग्लैंड** से बदलकर **पेरिस** कर लिया और आंदोलन जारी रखा।

11. मैडम भीकाजी कामा

प्रख्यात क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा को उनकी पुण्यतिथि पर **देशभर में याद किया गया।**

मैडम भीकाजी कामा (1861-1936) के बारे में

- वे एक आदर्श क्रांतिकारी थीं। उनका संबंध **गुजरात राज्य के नवसारी जिले** से था।
- वे **विदेशों में भारतीय स्वतंत्रता की प्रबल समर्थक** थीं। वे **"भारतीय क्रांति की जननी"** के रूप में लोकप्रिय हैं।

प्रमुख योगदान

- स्वतंत्रता आंदोलन के प्रचार-प्रसार के लिए **'वंदे मातरम' पत्रिका का पेरिस में संस्करण शुरू** किया था तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल किया था।
- **1905** में, उन्होंने **पेरिस इंडियन सोसाइटी** की सह-स्थापना की थी। इस संगठन को भारत मंडल के नाम से भी जाना जाता था।
- **22 अगस्त, 1907 को उन्होंने स्टटगार्ट (जर्मनी) में पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज फहराया था।**
  - **फहराया गया झंडा कामा और श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से डिजाइन** किया गया था।

12. श्री अरबिंदो

प्रधान मंत्री ने **श्री अरबिंदो** को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अरबिंदो घोष (15 अगस्त 1872 - 5 दिसंबर 1950) के बारे में:

- उनका जन्म कोलकाता में हुआ था।
- वे भारतीय राष्ट्रवादी, कवि, दार्शनिक और योगी व्यक्ति थे।

प्रमुख योगदान:

- वह **युवा क्लब अनुशीलन समिति के संस्थापक सदस्यों** में से एक थे।
- उन्हें **अलीपुर बम केस (1908)** के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।
- उनका संबंध **युगांतर, बंदे मातरम और कर्मयोगी** जैसी पत्रिकाओं से था।
- उन्होंने **1926 में पांडिचेरी में श्री अरबिंदो आश्रम की स्थापना** की थी।
- उन्होंने **आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की अवधारणा पर बल** दिया और **एकात्म योग प्रणाली की संकल्पना** प्रस्तुत की।
- **पुस्तकें:** द लाइफ डिवाइन, सावित्री, एसे ऑन गीता, द सिंथेसिस ऑफ योगा, डिफेंस ऑफ इंडियन कल्चर, आदि।

13. तारकनाथ दास

देश भर में **श्री तारकनाथ दास** की जयंती मनाई गई।

श्री तारकनाथ दास (15 जून 1884 से 22 दिसंबर 1958) के बारे में

- इनका जन्म **पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले** में हुआ था। वे एक **पत्रकार, शिक्षक, लोकोपकारी व्यक्ति और क्रांतिकारी** थे।

प्रमुख योगदान:

- **1903** में वे एक क्रांतिकारी संगठन **अनुशीलन समिति** में शामिल हो गए थे।
  - अनुशीलन समिति की स्थापना **कोलकाता में सतीश चंद्र बोस और प्राणनाथ मित्रा** द्वारा की गई थी।
- उन्होंने **संयुक्त राज्य अमेरिका** में ब्रिटिश विरोधी अखबार **'फ्री हिंदुस्तान'** का प्रकाशन शुरू किया था।
- **1913 में वे गदर आंदोलन** से जुड़ गए थे।
- **1917** में उन्हें **भारत-जर्मन षडयंत्र** मामले में फंसाया गया था।
- शैक्षिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा संयुक्त राज्य अमेरिका और एशियाई देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 1935 में तारकनाथ दास फाउंडेशन की स्थापना की गई थी।

14. वल्लिनयगम ओलगनाथन चिदंबरम पिल्लई

वल्लिनयगम ओलगनाथन चिदंबरम पिल्लई (5 सितंबर 1872- 18 नवंबर 1936)

- इन्हें लोकप्रिय रूप से **'कप्पलोट्टिया तमिलन'** (जहाज चलाने वाले तमिलियन) और **सेक्किज़ुथ्था सेम्मल** [ऑयल प्रेस में कष्ट सहने वाला विद्वान व्यक्ति] कहा जाता है।
  - वे **1906** में स्वदेशी जलयान चलाने वाले पहले भारतीय थे।
- वे **लोकमान्य तिलक के शिष्य** थे।
- वे **श्रमिक कल्याण के प्रति काफी सजग** रहते थे और उन्होंने **तूतीकोरिन कोरल मिल्स हड़ताल (1908)** में भी हिस्सा लिया था।
- **साहित्यिक कृतियां:** मेय्यारम, मेय्यारिवु, तिरुकुरल पर एक भाष्य और तमिल व्याकरण के प्राचीन ग्रंथ तोलकाप्पियम का संकलन।

15. करतार सिंह सराभा

प्रत्येक वर्ष **24 मई** को करतार सिंह सराभा की जयंती मनाई जाती है।

करतार सिंह सराभा (1896-1915) के बारे में

- वे **पंजाब के सराभा गांव** में जन्मे भारत के वीर क्रांतिकारी थे।

प्रमुख योगदान:

- वे केवल 15 वर्ष की उम्र में ही **गदर दल के सदस्य** बने थे और इसके सबसे सक्रिय सदस्यों में से एक थे।
  - गदर दल की स्थापना भारत से ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए **1913 में ओरेगन** में की गई थी।
- उन्होंने **गदर समाचार-पत्र के गुरुमुखी संस्करण (पंजाबी) के प्रकाशन में सक्रिय** रूप से भाग लिया था।
- भारत लौटने पर, उन्होंने **भारतीय सैनिकों को** अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने के लिए संगठित करने पर ध्यान केंद्रित किया। साथ ही, उन्होंने लुधियाना में छोटे पैमाने पर **हथियार निर्माण इकाई की स्थापना** भी की थी।
- उन पर **लाहौर षड्यंत्र केस में राजद्रोह का मुकदमा** चलाया गया था। 1915 में उन्हें भारतीय क्रांतिकारी विष्णु गणेश पिंगले के साथ फांसी दे दी गई थी।

16. रासबिहारी बोस

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख क्रांतिकारी नेता रासबिहारी बोस को उनकी जयंती (25 मई) पर याद किया गया।

रासबिहारी बोस के बारे में

- बोस का जन्म वर्तमान **पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले** में हुआ था।
- वे **1789 की फ्रांसीसी क्रांति** से अत्यधिक प्रभावित थे।

प्रमुख योगदान:

- वे **मोतीलाल रॉय** के नेतृत्व में संचालित क्रांतिकारियों के समूह **'युगांतर'** के सक्रिय सदस्य थे।
- उन्होंने **पंजाब और संयुक्त प्रांत तथा बंगाल के क्रांतिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी** के रूप में कार्य किया था।
- वे **दिल्ली षड्यंत्र केस (वायसराय लॉर्ड हार्डिंग पर बम हमला), 1912** में सम्मिलित थे।
- उन्होंने **टोक्यो में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग (1942)** की स्थापना की थी।
- **गदर आंदोलन और आजाद हिंद फौज** (भारतीय राष्ट्रीय सेना) के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

17. पिंगली वेंकैया

प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया को उनकी पुण्यतिथि (04 जुलाई) पर देश ने याद किया।

पिंगली वेंकैया के बारे में

- उनका जन्म **आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले** में हुआ था।
- वे **गांधीवादी सिद्धांतों में विश्वास** रखते थे और **घोर राष्ट्रवादी** थे।

प्रमुख योगदान:

- **आंग्ल-बोअर युद्ध (1899-1902)** के दौरान उन्होंने **दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटिश सेना** में एक सैनिक के रूप कार्य किया था।
- पिंगली ने महात्मा गांधी के अनुरोध पर **भारतीय राष्ट्रीय ध्वज** का डिजाइन तैयार किया था। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन में भाग लिया तथा महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए कई अन्य आंदोलनों में भाग लिया था।
- 2022 में उनके **146वें जन्मदिन** के अवसर पर देशभर में **"तिरंगा उत्सव"** मनाया गया था।
- **साहित्यिक कृतियां:** 1916 में **'भारत देशनिकी ओका जातीय पताकम'** (भारत का राष्ट्रीय ध्वज)।

18. रामप्रसाद बिस्मिल

हाल ही में, शहीद रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती मनाई गई।

शहीद रामप्रसाद बिस्मिल (1897-1927) के बारे में

प्रारंभिक जीवन

- इनका जन्म **उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले** में हुआ था।

प्रमुख योगदान:

- युवावस्था में ही वे **आर्य समाज युवा संघ** में शामिल हो गए थे और **स्वामी दयानंद** की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करने लगे थे।
- मैनपुरी षड्यंत्र (1918) के तहत उन पर मुकदमा चलाया गया था। रामप्रसाद बिस्मिल ने ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रतिबंधित किताबों का वितरण किया था, इसलिए उन पर मुक़दमा चलाया गया था।
  - इस षड्यंत्र में उन्होंने **'देशवासियों के नाम संदेश'** शीर्षक से एक पुस्तिका प्रकाशित की थी और इसे अपनी कविता **'मैनपुरी की प्रतिज्ञा'** के साथ लोगों के बीच वितरित किया था।
- **1924** में सचिन्द्रनाथ सान्याल, बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और योगेश चन्द्र चटर्जी ने मिलकर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की थी।
- वे **'काकोरी कांड'** को अंजाम देने वाले मुख्य क्रांतिकारी थे।

19. चंद्रशेखर आजाद

पूरे देश ने चंद्रशेखर आजाद को उनके जन्मदिवस (23 जुलाई) पर याद किया।

चंद्रशेखर आजाद (1906-1931) के बारे में

- इनका जन्म **अलीराजपुर रियासत** में हुआ था।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **15 वर्ष की आयु में असहयोग आंदोलन में भाग** लिया था।
- इस दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। जब पुलिस ने उनसे उनका नाम व पता पूछा तो उन्होंने **अपना नाम "आजाद"; पिता का नाम "स्वतंत्रता" और "जेल" को अपना घर** बताया था।
- वे **हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन** (HRA) में शामिल हो गए थे।
  - उन्होंने **1925 में काकोरी रेल डकैती** में भाग लिया था।
  - **लाला लाजपत राय** की हत्या का बदला लेने के लिए उन्होंने 1928 में **लाहौर में जॉन पी. सांडर्स** पर गोली चलाई थी।
  - **1929** में HSRA के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन वायसराय **लॉर्ड इरविन पर रेल द्वारा यात्रा के दौरान बम हमले का प्रयास** किया था।
- उनकी सलाह पर **1928 में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) का नाम बदलकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)** कर दिया गया था।

20. शहीद भगत सिंह

देश ने शहीद भगत सिंह को उनकी जयंती पर याद किया।

शहीद भगत सिंह (1907-1931) के बारे में

- उनका जन्म **पश्चिमी पंजाब के लायलपुर** में हुआ था। यह जगह अब **पाकिस्तान** में है।
- वे **क्रांतिकारी समाजवाद, मार्क्सवाद और साम्यवाद** के आदर्शों से प्रभावित थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **1926 में नौजवान भारत सभा** की स्थापना की थी।
- उन्होंने **1928** में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) का नाम **बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)** किया था।
- **1929** में उन्होंने **बटुकेश्वर दत्त** के साथ मिलकर दिल्ली में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में बम फेंका। यह **बम पब्लिक सेफ्टी बिल** और ट्रेड डिस्प्यूट बिल के विरोध में फेंका गया था। बम फेंकते हुए दोनों क्रांतिकारी **इंकलाब जिंदाबाद** का नारा लगा रहे थे।
- **कृतियां:** मैं नास्तिक क्यों हूँ: एक आत्मकथात्मक परिचर्चा, द जेल नोटबुक, आदि।

21. अशफाकउल्ला खान

हाल ही में स्वतंत्रता सेनानी अशफाकउल्ला खान को **उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि** अर्पित की गई।

अशफाकउल्ला खान (1900-1927) के बारे में

- उनका जन्म **सन् 1900 में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर** में हुआ था।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **राम प्रसाद बिस्मिल, सचिन्द्र नाथ बख्शी और जोगेश चंद्र चटर्जी** के साथ मिलकर **1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन** की स्थापना की थी।
- इस संगठन ने **"द रिवोल्यूशनरी"** शीर्षक वाले **अपने घोषणा-पत्र** में एक संगठित और सशस्त्र क्रांति के माध्यम से **संयुक्त राज्य भारत के एक संघीय गणराज्य** की स्थापना के अपने लक्ष्य को उजागर किया था।
- उन्होंने **काकोरी ट्रेन कांड (1925)** में भाग लिया था। इस मामले में उन्हें **राम प्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र लाहिड़ी और रोशन सिंह के साथ फांसी की सजा** दी गई थी।

22. शहीद उधम सिंह

देश में 31 जुलाई को शहीद उधम सिंह का **शहीदी दिवस** मनाया गया।

शहीद उधम सिंह (1899-1940) के बारे में

- उनका जन्म **भारत के पंजाब राज्य के संगरूर जिले** में हुआ था।
- वे भगत सिंह से बहुत प्रभावित थे।
- उन्होंने **जलियांवाला बाग नरसंहार (1919)** देखा था और उसका बदला लेने की शपथ ली थी।

प्रमुख योगदान/ कार्य

- उन्होंने **गदर पार्टी** के एक भाग के रूप में **शिकागो में आजाद पार्टी** का गठन किया था।
- **13 मार्च, 1940** को उन्होंने **माइकल ओ' डायर** को गोली मार दी थी, जो उस समय पंजाब का लेफ्टिनेंट गवर्नर था, जब जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था।

23. शिवराम हरि राजगुरु

महान भारतीय स्वतंत्रता सेनानी शिवराम राजगुरु को उनकी **116वीं जयंती (24 अगस्त)** के अवसर पर देश भर में याद किया गया।

शिवराम हरि राजगुरु (1908-1931) के बारे में

- इनका जन्म **पुणे (महाराष्ट्र) के पास खेड़ गांव** में हुआ था। बाद में इस गांव का नाम बदलकर **राजगुरुनगर** कर दिया गया।
- वे **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)** के प्रमुख सदस्य थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **सुखदेव और भगत सिंह** के साथ मिलकर **लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए 1928 में ब्रिटिश अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या** में भाग लिया था।
- **23 मार्च 1931 को** तीनों महान स्वतंत्रता **सेनानियों- राजगुरु, भगत सिंह** और सुखदेव को ब्रिटिश सरकार ने लाहौर में फांसी दे दी थी।
  - इनकी शहादत को श्रद्धांजलि देने के लिए **23 मार्च को 'शहीद दिवस' के रूप में मनाया** जाता है।

24. शरत चंद्र बोस

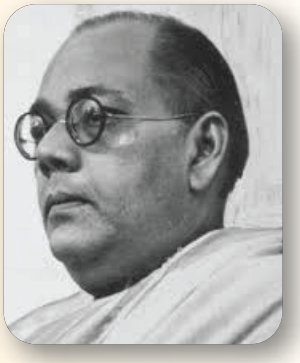

प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी शरत चंद्र बोस को उनकी **135वीं जयंती (06 सितंबर)** पर देश भर में याद किया गया।

शरत चंद्र बोस (1889-1950) के बारे में

- इनका जन्म **कटक (ओडिशा)** में हुआ था।
- वे **बंगाल विधान परिषद के सदस्य थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हिस्सा थे।**
- वे **कलकत्ता नगर निगम में कई बार एल्डरमैन** के रूप में भी चुने गए थे।

प्रमुख योगदान:

- **1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन** में शामिल होने के लिए उन्होंने अपनी पेशेवर प्रैक्टिस (वकालत) छोड़ दी थी। आंदोलन में शामिल होने के कारण उन्हें **1932 में गिरफ्तार कर तीन साल के लिए जेल भेज** दिया गया था।
- वे **फॉरवर्ड ब्लॉक** जैसे समाजवादी विचारधारा वाले दलों के साथ जुड़े हुए थे।
  - उल्लेखनीय है कि **फॉरवर्ड ब्लॉक** की स्थापना उनके भाई **नेताजी सुभाष चंद्र बोस** ने की थी।
- उन्होंने **धार्मिक आधार पर बंगाल और पंजाब के विभाजन का पुरजोर विरोध** किया था। उन्होंने **1947 में कांग्रेस कार्य समिति से इस्तीफा** दे दिया था।
- उन्होंने **द सोशलिस्ट रिपब्लिकन, महाजाति और द नेशन** जैसे समाचार-पत्र प्रकाशित किए थे।

25. नरसिम्हा गोपालस्वामी आयंगर

हाल ही में, **मद्रास सिटी कोऑपरेटिव बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड** ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे किए। उल्लेखनीय है कि नरसिम्हा गोपालस्वामी आयंगर इस **सोसाइटी के प्रथम अध्यक्ष** थे।

नरसिम्हा गोपालस्वामी आयंगर (1882-1953) के बारे में

- वे एक सुयोग्य **प्रशासक, स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ** थे।
- वे 1905 में मद्रास सिविल सेवा में नियुक्त हुए थे। वे 1937 में **जम्मू और कश्मीर के दीवान (प्रधान मंत्री)** नियुक्त हुए थे।

श्री आयंगर के योगदान:

- वे **कॉउंसिल ऑफ़ स्टेट्स** में निर्वाचित (1943-47) हुए थे।
- वे भारतीय संविधान निर्माण की **7 सदस्यीय प्रारूप समिति** के सदस्य थे।
- उन्होंने **अनुच्छेद 370 के सृजन** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- उन्होंने 1949 में **'सरकारी तंत्र के पुनर्गठन पर रिपोर्ट'** प्रस्तुत की थी।
- वे स्वतंत्र भारत के **रक्षा, रेलवे और परिवहन मंत्री** भी रहे थे।

26. लक्ष्मण नायक

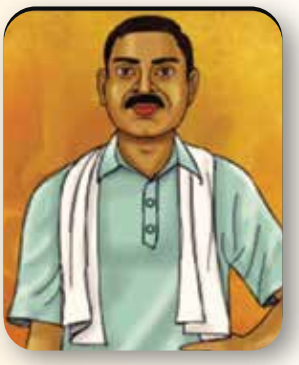

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मण नायक के योगदान का उल्लेख किया है।

लक्ष्मण नायक भूमिया के बारे में

- वे **ओडिशा के भूमिया** समुदाय के आदिवासी नेता थे।
- वे **सत्य, अहिंसा और शांतिपूर्ण असहयोग के गांधीवादी सिद्धांतों** में विश्वास करते थे तथा उनका पालन करते थे। इसलिए, वे **मलकानगिरी क्षेत्र के गांधी** के रूप में लोकप्रिय थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह** में भाग लिया था।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (1942)** के दौरान, उन्होंने अपने साथी आदिवासियों से गांधीजी के **'करो या मरो'** के नारे के लिए बढ़-चढ़ कर काम करने का आह्वान किया था।
- उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से **चरखे** का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। इससे **स्वराज के सिद्धांत** को मजबूती मिली थी।

27. तिलेश्वरी कोच

हाल ही में, तिलेश्वरी कोच को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया गया।

तिलेश्वरी कोच के बारे में

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - **पिता का नाम:** भबकांत बरुआ।
  - **जन्म स्थान:** निज-बोरगांव ग्राम। यह गांव **असम के ढेकियाजुली (सोनितपुर जिला)** का उपनगरीय इलाका है।

प्रमुख योगदान:

- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **20 सितंबर, 1942** को अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के साथ **ढेकियाजुली में एक पुलिस स्टेशन पर तिरंगा फहराने** का प्रयास करते समय उन्हें **अंग्रेजों ने गोली मार दी** थी।
- इस घटना को कभी-कभी **ढेकियाजुली की शहादत** कहा जाता है। झंडा फहराने के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के जुलूस को **मृत्यु वाहिनी (आत्मघाती दस्ता)** के रूप में जाना जाता है। इस वाहिनी का नेतृत्व **मोनबोर नाथ** ने किया था।

सम्मान: ढेकियाजुली शहर में उनके सम्मान में **20 सितंबर को शहादत दिवस** आयोजित किया जाता है।

28. आसफ अली

हाल ही में, स्वतंत्रता सेनानी **आसफ अली** की जयंती मनाई गई।

आसफ अली के बारे में

- वे एक **वकील, स्वतंत्रता सेनानी और संयुक्त राज्य अमेरिका में स्वतंत्र भारत के पहले राजदूत** थे।

प्रमुख योगदान:

- वे **दिल्ली में होम रूल लीग के संस्थापक सदस्यों में से एक** थे।
- उन्होंने **असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, व्यक्तिगत सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन** में सक्रिय रूप से भाग लिया था।
- उन्होंने **1929 के सेंट्रल असेंबली बम कांड के मुकदमे में शहीद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त की पैरवी** की थी।
- **1935 में मुस्लिम नेशनल पार्टी** के सदस्य के रूप में केंद्रीय विधान सभा के लिए चुने गए थे।

29. अरुण चंद्र गुहा

स्वतंत्रता सेनानी और प्रसिद्ध लेखक अरुण चंद्र गुहा को उनकी जयंती के अवसर पर याद किया गया।

अरुण चंद्र गुहा (1892-1983) के बारे में

- **जन्म:** उनका जन्म **बारीसाल** (तत्कालीन पूर्वी बंगाल) में हुआ था।
- वह **संविधान सभा के सदस्य** थे। वे 1946 से लेकर 1963 तक लगातार तीन बार संसद सदस्य रहे थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के दौरान राजनीति में रुचि लेना शुरू किया।
- 1910 के बाद, उन्होंने **गुप्त क्रांतिकारी समूह युगांतर पार्टी के सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका** निभाई।
- उन्होंने क्रमशः बंगाली और अंग्रेजी पत्रिकाएं, **मंदिर एवं फॉरवर्ड** प्रकाशित की थी।
- उन्होंने **जतिंद्रनाथ मुखोपाध्याय, उर्फ बाघा जतिन की जिम्मरमैन योजना** का समर्थन किया था।
- **साहित्यिक कृतियां:** सृष्टि सभ्यता, फर्स्ट स्पार्क ऑफ रेवोल्यूशन आदि।

30. प्रशांत चंद्र (पी.सी.) महालनोबिस

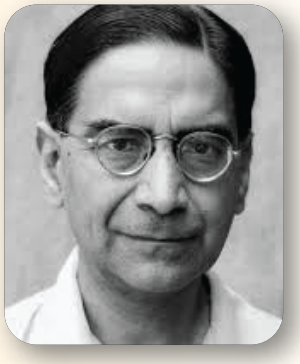

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने ई-सांख्यिकी पोर्टल लॉन्च किया है। इसे **'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस (29 जून)'** के अवसर पर लॉन्च किया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य देश में आधिकारिक सांख्यिकी डेटा के प्रसार को आसान बनाने के लिए एक व्यापक डेटा प्रबंधन और साझाकरण प्रणाली स्थापित करना है।

- उल्लेखनीय है कि **'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' पी.सी. महालनोबिस** के जन्म दिवस पर मनाया जाता है।

प्रशांत चंद्र (पी.सी.) महालनोबिस (1893-1972) के बारे में

- **प्रमुख योगदान:**
  - उन्होंने **भारतीय सांख्यिकी संस्थान** की स्थापना की थी।
  - उन्होंने **राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (1950) और केंद्रीय सांख्यिकी संगठन** की भी स्थापना की थी।
  - महालनोबिस ने भारत की **दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-61) की रूपरेखा** तैयार की थी। इसीलिए, दूसरी पंचवर्षीय योजना को महालनोबिस योजना भी कहा जाता है।
    - इस योजना में **सार्वजनिक क्षेत्रक के विकास और तेजी से औद्योगीकरण पर ध्यान** केंद्रित किया गया था।
  - उन्होंने **'महालनोबिस डिस्टेंस'** की अवधारणा प्रस्तुत की थी। यह वास्तव में एक **सांख्यिकीय माप** है।
- **मान्यता**
  - उन्हें भारत सरकार ने **पद्म विभूषण से सम्मानित** किया था।
  - इसके अलावा, सरकार ने **महालनोबिस अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना** की है। यह पुरस्कार किसी व्यक्ति को **विकासशील देश या क्षेत्र में सांख्यिकी में जीवन भर की उपलब्धियों** के लिए दिया जाता है।
    - यह पुरस्कार सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) द्वारा समर्थित है।

31. गोविंद बल्लभ पंत

प्रख्यात **भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री** रहे गोविंद बल्लभ पंत को उनकी जयंती पर याद किया गया।

गोविंद बल्लभ पंत (10 सितंबर 1887-7 मार्च 1961) के बारे में

- **जन्म स्थान:** अल्मोड़ा (उत्तराखंड में)।
- **राजनीति में प्रवेश:**
  - उन्होंने **1916 में कुमाऊं परिषद की स्थापना** की थी, जिसके बाद उन्हें **अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य** के रूप में चुना गया था।
  - **1923 में स्वराज पार्टी** की टिकट पर वे **संयुक्त प्रांत की विधान परिषद** के सदस्य चुने गए थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन** में भाग लिया था। उन्हें **1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के लिए योजना बनाने** के कारण गिरफ्तार कर लिया गया था।
- केंद्र सरकार और कुछ राज्यों की **आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को मान्यता** दिलवाने में उनका अमूल्य योगदान था।
- **भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन: 1955 से 1961 तक भारत के गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान** भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया था।
- **मुख्यमंत्री के रूप में योगदान: वे जमींदारी प्रथा के विरोधी थे। उत्तर प्रदेश में हिंदू कोड बिल पारित करवाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस बिल** ने हिंदू पुरुषों के लिए बहुविवाह पर रोक लगा दी थी।
- **उपलब्धियां:** उन्हें **1957 में भारत रत्न** प्रदान किया गया था।

32. लाला हंसराज

हाल ही में, **लाला हंसराज की जयंती** मनाई गई।

लाला हंसराज (1864-1938) के बारे में

प्रारंभिक जीवन

- **जन्म स्थान:** होशियारपुर जिला, पंजाब।
- **माता-पिता:** हरदेवी और लाला चुन्नीलाल।
- **प्रभावित थे:** स्वामी दयानंद सरस्वती की विचारधारा से।
- **उपनाम:** महात्मा हंसराज के नाम से प्रसिद्ध।

प्रमुख योगदान:

- ये देश के सबसे महान **शिक्षाविदों** में से एक थे। उन्होंने **वैदिक आदर्शों के साथ विज्ञान-आधारित पाश्चात्य शिक्षा** को भी चुना था।
- इन्होंने **गुरु दत्त विद्यार्थी** के साथ मिलकर **1886 में लाहौर में पहले दयानंद आंग्ल-वैदिक स्कूल (DAV)** की स्थापना की थी। वे इस स्कूल के पहले **प्रधानाचार्य** बने थे।
- इन्होंने ही राष्ट्रीय ध्वज के केंद्र में **अशोक धर्म चक्र को शामिल** करने का प्रस्ताव रखा था।

33. सुकुमार सेन

हाल ही में, सुकुमार सेन के जीवन पर एक बायोपिक बनाने की घोषणा की गई।

सुकुमार सेन के बारे में

- वे **भारत के प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त** थे। उन्होंने **1950 से 1958** तक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य किया था।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार** के आधार पर भारत के प्रथम **दो लोक सभा चुनाव (1952 एवं 1957) और राज्यों के विधान सभा चुनाव** आयोजित कराए थे।
- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सुकुमार सेन के नेतृत्व में कई नवीन उपाय प्रस्तुत किए गए थे। जैसे- **एक मतदाता द्वारा बार-बार मत देकर चुनाव में हेरफेर करने को रोकने के लिए अमिट स्याही** का उपयोग।
- उन्होंने **अंतर्राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष** के रूप में भी कार्य किया था।
- **पुरस्कार और सम्मान:** पद्म भूषण (1954)।

34. श्यामलाल गुप्त 'पार्षद'

प्रसिद्ध कवि और गीतकार श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' को हाल ही में उनकी जयंती पर याद किया गया।

श्यामलाल गुप्त 'पार्षद (9 सितंबर 1896-10 अगस्त 1977) के बारे में

- उनका जन्म **कानपुर के नरवल** में हुआ था।
- वे **स्वतंत्रता सेनानी, कवि, गीतकार, पत्रकार, समाजसेवी और शिक्षक** थे।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **1924** में देशभक्ति **गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा' (झंडा गीत)** की रचना की थी।
- उन्होंने **'नमक सत्याग्रह' और 'भारत छोड़ो आंदोलन' जैसे प्रमुख आंदोलनों** में भाग लिया था।
- **समाजसेवी:** उन्होंने कॉलेज, अनाथालय और बालिका स्कूल सहित कई संगठनों की स्थापना की थी।
  - उन्होंने **दहेज प्रथा का भी सक्रिय रूप से विरोध** किया था और विधवाओं के पुनर्विवाह का समर्थन किया था।
- वे **'सच्चिव'** नामक मासिक पत्रिका का संपादन करते थे।

उपलब्धियां:

- सरकार ने उन्हें **1973 में 'पद्मश्री' से सम्मानित** किया था।

35. सुचेता कृपलानी

25 जून को सुचेता कृपलानी की जयंती पर देशवासियों ने उन्हें याद किया। वे प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और स्वतंत्र भारत में किसी प्रदेश की पहली महिला मुख्य मंत्री थीं।

- **वे 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री** रही थीं।

सुचेता कृपलानी (1908-1974) के बारे में

- उनका जन्म **हरियाणा के अंबाला जिले** में हुआ था। वे एक **भारतीय राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी** थीं।
- वे उन **15 प्रतिष्ठित महिलाओं** में से एक थीं, जो संविधान सभा की संविधान प्रारूप समीति का हिस्सा थीं।

प्रमुख योगदान:

- वे **1940 में स्थापित अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की संस्थापक सदस्य** थीं।
- उन्होंने **भारत छोड़ो आंदोलन में भाग** लिया था और गिरफ्तारी से बचने के लिए भूमिगत होकर कार्य किया था।
- उन्होंने कई **राहत गतिविधियों** में भी भाग लिया था। उदाहरण के लिए- 1934 में बिहार में भूकंप, 1946 में नोआखाली दंगे आदि।
- **वे कई प्रतिनिधि-मंडलों का हिस्सा थीं, जैसे-** तुर्की के लिए संसदीय प्रतिनिधि-मंडल (1954); अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (1961), संयुक्त राष्ट्र महासभा (1949), आदि के लिए प्रतिनिधि-मंडल।

36. कमलादेवी चट्टोपाध्याय

हाल ही में, देश ने कमलादेवी चट्टोपाध्याय की जयंती मनाई है।

कमलादेवी चट्टोपाध्याय (1903-1988) के बारे में

- उनका जन्म **मैंगलोर** में हुआ था। वे एक **स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, कला प्रेमी और राजनीतिज्ञ** थीं।

प्रमुख योगदान:

- उन्होंने **अखिल भारतीय महिला सम्मेलन (AIWC)** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- भारत में विधायी सीट के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने **मद्रास प्रांतीय चुनाव** में भाग लिया था।
- उन्होंने 1930 के **नमक सत्याग्रह में महिलाओं को समान अवसर देने के लिए महात्मा गांधी को मनाया था।**
- वे सेवा दल से जुड़ गई थीं और महिला कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया था।
- **1936** में वे **कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की अध्यक्षा** बनी थीं।

फास्ट ट्रैक कोर्स 2025

सामान्य अध्ययन प्रीलिम्स

क्या आप "प्री" के लिए तैयार हैं?

इस कोर्स का उद्देश्य

GS प्रीलिम्स कोर्स विशेष रूप से उन अभ्यर्थियों के लिए तैयार किया गया है जो GS पेपर। की तैयारी में अपने स्कोर को बढ़ाना चाहते हैं। इसमें GS पेपर । प्रीलिम्स का पूरा सिलेबस, विगत वर्षों के UPSC पेपर का विश्लेषण और Vision IAS के क्लासरूम टेस्ट की प्रैक्टिस एवं चर्चा शामिल होगी। हमारा लक्ष्य है कि अभ्यर्थी बेहतर परफॉर्म करें और कोर्स पूरा करने के बाद अपने प्रीलिम्स स्कोर में एक बड़ा सुधार करें।

कला एवं संस्कृति
भूगोल
राजव्यवस्था
भारत का इतिहास
अंतर्राष्ट्रीय संबंध
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
पर्यावरण
अर्थव्यवस्था

इसमें निम्नलिखित शामिल है:

- पर्सनल स्टूडेंट प्लेटफॉर्म पर रिकॉर्डेड लाइव क्लासेस तक पहुंच
- प्रीलिम्स सिलेबस के लिए विस्तृत, प्रासंगिक और अपडेटेड स्टडी मटेरियल की सॉफ्ट कॉपी
- PT 365 की कक्षाएं
- सेक्शनल मिनी टेस्ट और कॉम्प्रिहेंसिव करेंट अफेयर्स

प्रवेश प्रारंभ
Available in English & हिन्दी
Live/Online Classes available